दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र

श्री महावीरजी

त्रि-वार्षिक प्रगति विवरणिका
वर्ष 2011-12-2013

प्रकाशक
समाचार विचार संस्थान, जयपुर

सिद्धान्त चक्रवर्ती परम पूज्य आचार्यश्री विद्यानन्द जी मुनिराज का

मंगल आशीर्वाद

''आत्मा प्रभावनीयो रत्नत्रयतेजसा सततमेव। दानतपोजिनपूजाविद्यातिशयैश्च जिनधर्मः॥''

अर्थ - रत्नत्रय के तेज से सदा अपनी आत्मा की और दान-तप-पूजा-विद्या के अतिशय से जिनधर्म की प्रभावना करनी चाहिए।

धर्म अत्यन्त विशाल है, उसमें अनेक अंग-उपांग समाविष्ट है। तीर्थ, मन्दिर, प्रतिमा समता का प्रतीक हैं, उपासना का पवित्र स्थान है। मन्दिर में विराजमान प्रतिमाओं के निर्निमेष दृष्टि से दर्शन करते रहने से असंख्यात कर्मों की निर्जरा होती है। मंत्र, मूर्ति और स्वाध्याय मनुष्य जीवन के तीन प्रस्थान हैं। प्रस्थानत्रयी के आलम्बन से परमतत्त्व और सच्चे सुख की प्राप्ति होती है। मन्दिर में प्रवेश करते ही भगवान के श्रीचरणों में अर्पित शब्दों की मंगल ध्वनि से हृदयाकाश निर्मल होकर दिव्य ज्योति से भर जाता है। मंत्र-संस्कारों के माध्यम से ही प्रतिमा पूज्य होती है।

आर्षमार्ग एवं जिनवाणी के प्रबल समर्थक, तीर्थों के प्रति पूर्ण समर्पित, कुशाग्रबुद्धि, न्याय, विद्या, विनय एवं विवेक के जीवन्त व्यक्तित्व न्यायमूर्ति श्री एन.के. जैन के कार्यकाल में अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के बहुमुखी विकास के साथ-साथ जयपुर में अपभ्रंश साहित्य अकादमी (जैन विद्या संस्थान) को स्थायित्व प्रदान करने के उद्देश्य से भवन निर्माण के लिए भूमि का क्रय कर एक स्वर्णिम इतिहास रचा है।

श्री क्षेत्र से संबंधित ''त्रि-वार्षिक प्रगति विवरणिका वर्ष 2011-12-2013'' मेरे समक्ष है। इसके सम्पादन में श्री एम.एल. धोकरिया एवं श्री तरूण जैन का अतुलनीय सहयोग रहा है, इन्हें मेरा शुभाशीर्वाद है।

तीर्थ पवित्र हैं, उनकी रक्षा भी शान्ति, सद्भाव, भाईचारा और पवित्र साधनों से ही की जा सकती है। जिन मानवीय मूल्यों के साथ श्री क्षेत्र महावीरजी की कमेटी का गठन किया गया, कमेटी के सभी पदाधिकारियों को मेरा यही मंगल आशीर्वाद है कि वह सभी अपने अपने कर्त्तव्यों का श्रद्धा और निष्ठा के साथ पालन करते रहें।

सधर्मवृद्धिरस्तु!

शुभाशीर्वाद

गुरुवार, दिनांक 9 जनवरी, 2014

आचार्य विद्यानन्द मुनिराज

बहुमुखी प्रगति अनुक्रम :

1. जनस्वास्थ्य सेवा, विस्तार व प्रसार
2. सांस्कृतिक एवं विविध जागरुकता कार्यकम
3. निर्वाण महोत्सव
4. जैन विद्या संस्थान/अपभ्रंश साहित्य अकादमी के प्रचारात्मक व अन्य प्रकाशन व विदेशी विद्वानों का अध्ययनार्थ आगमन, विश्वविद्यालय को सहयोग, संतों द्वारा अपभ्रंश साहित्य अकादमी का अवलोकन।
5. जमीन की रजिस्ट्री
6. वार्षिक प्रतिवेदन
7. त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन
8. सदस्य ट्रस्टियों की परिचय पुस्तिका
9. नया सोलर वाटर सिस्टम
10. इन्फ्रारेड सी.सी.टी.वी. कैमरे
11. कमरों की बुकिंग ऑनलाइन
12. नया कम्प्यूटरीकृत कार्यालय व विस्तार
13. चपाती मैकिंग वार्मर मशीन
14. लिफ्ट सुविधा का प्रारम्भ
15. यात्रियों की सुविधार्थ दो अतिरिक्त नई बसें
16. सोलर स्टीम कुकिंग सिस्टम
17. विशाल निर्माण कार्य
18. विद्युतिकरण
19. नई सड़क निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण
20. 10 ग्राम चांदी के सिक्के का विमोचन व प्रसारण
21. श्री महावीरजी क्षेत्र पर निज मंदिरजी में स्वर्ण, रजत अलंकरण तथा अन्य उपकरण व सामान उदारमना दातारों द्वारा भेंट
22. क्षेत्र के अधीनस्थ मंदिरों के निर्माण/मरम्मत/जीर्णोद्धार
23. डाक टिकिट (डाक विभाग, भारत सरकार द्वारा)
24. जैन सोश्यल ग्रुप / विदेशी स्कालर्स द्वारा पर्यावरण चेतना
25. स्केल मूवर मशीन शुद्ध पानी के परीक्षण के लिए
26. नये सदस्यों का अभ्यर्थन
27. दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में अन्य कार्य
28. दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी में जीर्णोद्धार/मरम्मत व विकास कार्य
29. नसियां भट्टारकजी में चातुर्मास
30. श्री महावीरजी क्षेत्र बतौर प्रबन्धकर्ता
31. विशिष्टजन का आगमन

अपनी बात

सर्वप्रथम हम परम पूज्य श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज को त्रिबार नमोस्तु करते हैं उन्होंने श्री महावीरजी की कार्यकलापों की त्रिवार्षिक विवरणिका वर्ष 2011 से 2013 को अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया । उनके चरण कमलों में शत्-शत् वंदन।

''श्री महावीरजी'' दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र राजस्थान का ही नहीं, भारत का प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र है। तीर्थंकर महावीर सर्वोदय के प्रतीक हैं। श्री महावीरजी का वार्षिक ''लक्खी मेला'' इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, जिसमें जैन व विभिन्न समुदाय व धर्मों के शहरी, ग्रामीण श्रद्धालु जन शामिल होकर भक्ति भाव से ओत-प्रोत होते हैं।

अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के बारे में संक्षिप्त परिचय व पूर्व में किए गए कार्यों की जानकारी त्रैमासिक पत्रिका के 'परिचय अंक' व अन्य अंकों के माध्यम से जनसाधारण तक पहुँचाने का प्रयास किया गया था। यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है एवं एक नए अध्याय की शुरूआत है।

श्री महावीरजी की गतिविधियों की प्रामाणिक जानकारी आम जनता के लिये अतिशय क्षेत्र की त्रैमासिक पत्रिका व वेबसाइट www.mahaveerji.org पर देखने से मिली, जो प्रशंसनीय है। जिसका करीब 3 वर्षों का संक्षिप्त विवरण, संकलन कर आमजन के अवलोकनार्थ प्रेषित किया जा रहा है।

विगत वर्षों में कमेटी के पूर्व अध्यक्षों एवं सेवाभावी सदस्यों ने इस श्रद्धा केन्द्र ''श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र'' को भारत ही नहीं, अपितु विश्व के मानचित्र पर पहचान दिलाई है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को आकर्षित भी किया है।

अतिशय क्षेत्र पर पारम्परिक कार्यक्रम जैसे - होली, निर्वाण महोत्सव, महावीर जयन्ती का मेला, प्रदर्शनी, विकलांगों को ट्राईसाइकिल वितरण, वैशाखी वितरण, नूतन वर्ष के आगमन पर प्रेरणास्पद कार्यक्रम, मुनियों-आचार्यों की विधिवत् सेवा आदि कार्य हर वर्ष आयोजित होते आ रहे हैं।

पारम्परिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त श्री महावीरजी की प्रबन्धकारिणी कमेटी व दिनांक 26 फरवरी, 2011 से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कुछ विशिष्ट कार्यक्रमों व कार्य योजनाओं को मूर्तरूप दिया है। विशेष रूप से जनस्वास्थ्य सेवा प्रसार, विविध जागरूकता कार्यक्रम, जैन साहित्य प्रकाशन, त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन, प्रबन्धकारिणी कमेटी के 1930 से अब तक के 100 सदस्य ट्रस्टियों की परिचय पुस्तिका का प्रकाशन, भगवान महावीर एवं मंदिर चित्रित 10 ग्राम चांदी का सिक्का, मंदिर का पिक्चर कार्ड मय स्टेम्प डाक विभाग द्वारा प्रसारण, विभिन्न आवासीय इकाइयों में ऑनलाइन बुकिंग सुविधा, लिफ्ट की सहूलियत, चपाती मैकिंग व वार्मर मशीन, प्रक्षाल करने वालों के लिये सोलर सिस्टम से गर्म पानी की व्यवस्था, सोलर स्टीम कुकिंग सिस्टम, 48 वातानुकूलित कमरों की धर्मशाला के निर्माण की शुरूआत व अपभ्रंश साहित्य अकादमी व पुस्तकालय के लिए राज्य सरकार से, रियायती दर पर जयपुर में जमीन प्राप्त कर उसकी रजिस्ट्री आदि-आदि नूतन कार्य सम्पन्न हुए है।

साथ ही दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी जयपुर, दिगम्बर जैन मंदिर श्री नेमिनाथजी (सांवलाजी) आमेर, मंदिर चन्द्रप्रभु जी आमेर, कीर्ति स्तम्भ (थम्भ) की नसियां आमेर आदि में मरम्मत व जीर्णोद्धार के कार्य भी उल्लेखनीय रहे है। इसके अलावा महावीरजी में हेलीपेड, लॉन्ड्री, जननी शिशु सुरक्षा व निःशुल्क दवाई योजना, महावीर आयुष्मान केन्द्र स्थापित करने का निर्णय व बैंक की बिल्डिंग बनाने का कार्य प्रगति पर हैं।

ये सब कार्य योजनाएं वर्तमान अध्यक्ष जस्टिस श्री नगेन्द्र कुमार जैन (पूर्व मुख्य न्यायाधिपति मद्रास एवं कर्नाटक हाईकोर्ट व पूर्व अध्यक्ष राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग) की संवेदनशील पहल व सूझबूझ, श्रम, कार्य संपादन शैली, समाज सेवा की भावना एवं लोकोपकारी विजन के फलस्वरूप मूर्तरूप ले पाई हैं।

न्यायमूर्ति श्री नगेन्द्र कुमार जैन ने प्रबन्धकारिणी कमेटी व संबंधित समाजसेवियों एवं ग्रामवासियों से समन्वय व सामंजस्य स्थापित करते हुए विगत 34 माह में श्री महावीरजी क्षेत्र के चहुंमुखी विकास हेतु नूतन योजनाओं को क्रियान्वित करने में अथक श्रम किया है। वस्तुतः यह सब उपलब्धियाँ राज्य, जन प्रतिनिधि, ग्रामीण जनता, क्षेत्र में नियुक्त स्टाफ के सक्रिय सहयोग से ही सम्भव हो पाई हैं।

श्री महावीरजी अतिशय तीर्थक्षेत्र हाईटेक, डिजीटल होने के कारण अर्न्तराष्ट्रीय-स्तर पर अब विशिष्ट पहचान बना पा रहा है।

वस्तुतः प्रबन्धकारिणी कमेटी ने सभी यात्रियों को आवश्यक व मूलभूत सुविधायें प्रदान कराने, क्षेत्र की गतिविधियों में पारदर्शिता लाने व चहुंमुखी विकास का निरन्तर प्रयास किया है। अतः उक्त कमेटी साधुवाद की पात्र है। इति शुभम्।

सहयोगी
तरुण जैन

संकलन
एम.एल. धोकरिया
समाचार विचार संस्थान
15-ए, नेहरुपथ, न्यू विधानसभा रोड, कृष्णा नगर द्वितीय, जयपुर

सरपंच श्रीमती हरप्यारी देवी मेडिकल कैम्प का उद्घाटन करते हुए।

डॉक्टर मरीजों का चेकअप करते हुए।

तत्कालीन कलक्टर महोदय वैशाखी एवं ट्राई साईकिल का वितरण करते हुए।

ट्राई साईकिल वितरण करते हुए सम्मानित दातार व अतिथिगण।

जनस्वास्थ्य सेवा, विस्तार व प्रसार -

श्रीमती चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल एवं प्रसूतिगृह श्री महावीरजी में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के सहयोग से ग्रामीण जनता के लिए नि:शुल्क शिविर :-

1. जिन्दल हॉस्पीटल, भरतपुर के सौजन्य से नि:शुल्क मूत्र, गुर्दा एवं पथरी रोग शिविर (दिनांक 2 मई, 2011)।
2. लवलीश ई.एन.टी. हॉस्पीटल, जयपुर के सौजन्य से नि:शुल्क कान, नाक, गला रोग शिविर (दिनांक 12 मई, 2011)।
3. लवलीश ई.एन.टी. हॉस्पीटल, जयपुर के सौजन्य से नि:शुल्क कान, नाक, गला रोग शिविर (दिनांक 17 मार्च, 2012)।
4. लवलीश ई.एन.टी. हॉस्पीटल, जयपुर के सौजन्य से नि:शुल्क कान, नाक, गला रोग शिविर (दिनांक 12 मई, 2012)।
5. नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के सौजन्य से नि:शुल्क पोलियों जाँच, चयन, विकलांगों के हितार्थ उपकरण वितरण शिविर (दिनांक 25 नवम्बर, 2012)
6. श्री महावीरजी में विकास एवं जनस्वास्थ्य लाभ के लिए अस्पताल एवं प्रसूतिगृह में एक्स-रे व ई.सी.जी. मशीन रिपेयर व दो नई मशीनें, (1) हैड प्रेस बेबी वार्मर मशीन (2) ऑटो एनालाइजर क्रय की गई।
7. उक्त अस्पताल एवं प्रसूतिगृह के लिए राज्य सरकार ने चिकित्सा अधिकारी डॉ. हर्ष जैन की प्रतिनियुक्त एक वर्ष के लिए, माह सितम्बर, 2012 में। उसके बाद राज्य सरकार ने प्रतिनियुक्ति अवधि 2 वर्ष के लिए 5 सितम्बर, 2015 तक बढ़ा दी।
8. डॉ. हर्ष जैन व उनके सहयोगियों ने अब तक करीब 15 माह में, 554 डिलीवरी, 10716 ओ.पी.डी. व 1258 आई.पी.डी. मरीजों को देखा, जो उल्लेखनीय सेवा है।
9. उक्त अस्पताल एवं प्रसूति गृह में राज्य सरकार की योजना नि:शुल्क दवाइयां वितरण एवं जननी सुरक्षा योजना लागू करवाने का प्रयास किया जा रहा है।
10. श्री महावीरजी स्थित योग प्राकृतिक चिकित्सालय में डॉ. जीवनलाल गांधी की दिनांक 3 फरवरी, 2013 को नियुक्ति।
11. चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. जीवनलाल गांधी व उनके सहयोगियों की देखरेख में माह फरवरी से दिसम्बर, 2013 तक 935 मरीजों ने भर्ती होकर इलाज का लाभ लिया।
12. श्री महावीरजी स्थित आयुर्वेदिक औषधालय में प्रभारी वैद कृष्ण कुमार शर्मा व उनके सहयोगियों द्वारा माह मार्च, 2011 से माह दिसम्बर 2013 तक 34 माह में करीब एक लाख आठ हजार एक सौ तीन मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया।

सांस्कृतिक एवं विविध जागरुकता कार्यक्रम -

महावीर जयन्ती के पावन अवसर पर आयोजित वार्षिक मेला वर्ष-2011, वर्ष-2012, वर्ष-2013 के अवसर पर प्रदर्शनी, विकलांगों को ट्राईसाईकिल, जयपुरफुट व वैशाखी का वितरण एवं जरूरतमंद व विधवाओं को सिलाई मशीनों का वितरण, विधवा पेंशन, ट्रेफिक की जानकारी, समाज कल्याण विभाग, वन विभाग, ट्रांसपोर्ट, पर्यटन, कैंसर अवेयरनेस, जेल व स्कूल के बच्चों को मोदक वितरण तथा विविध कानूनी एवं अन्य जागरुकता शिविर सम्पन्न हुए।

महावीर जयंती के अवसर पर पांचना बांध से गम्भीर नदी में पानी छोड़ने की प्रक्रिया घट पूजन कार्यक्रम की शुरुआत तत्कालीन जिलाधीश महोदय श्री विष्णुचरण मल्लिक द्वारा वर्ष 2011 में वार्षिक मेले से किया गया।

1. श्री महावीरजी में महावीर जयन्ती के अवसर पर 16 अप्रेल, 2011 से 18 अप्रेल, 2011 के मध्य विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन के साथ वार्षिक मेला सम्पन्न हुआ। जिसमें झण्डारोहण का श्री राजेश जी जैन त्रिनगर, दिल्ली; कलशाभिषेक के पश्चात् माल बोली का श्री वेदप्रकाश जी नरेला दिल्ली; जलयात्रा का जुलूस में प्रथम कलश बोली का श्री विजयकुमार जी विनोदकुमार जी गोधा, गुढा-सांभर (जिला नागौर); जिनेन्द्रदेव रथयात्रा के दिन श्रीजी के चरणों में माल बोली का श्री कपूरचन्द जी महावीरप्रसाद जी पाण्ड्या बनेठा वाले, जयपुर को सौभाग्य प्राप्त हुआ।
2. श्री महावीरजी में महावीर जयन्ती के अवसर पर 2 अप्रेल, 2012 से 8 अप्रेल, 2012 के मध्य विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ वार्षिक मेला, जिसमें झण्डारोहण का श्री जवाहरलाल जी जैन, मुरैना (म.प्र.); कलशाभिषेक के पश्चात् माल बोली का श्री वेदप्रकाश जी नरेला, दिल्ली; जलयात्रा जुलूस मं प्रथम कलश बोली का श्री संदीपकुमार जी जैन नोएडा; जिनेन्द्रदेव रथयात्रा के दिन श्रीजी के चरणों की माल बोली का परम पूज्या आर्यिका समतामति माताजी की शिष्या ब्र. सरोज दीदी व ब्र. सपना दीदी को सौभाग्य प्राप्त हुआ।
3. श्री महावीरजी में जयन्ती के अवसर पर 23 अप्रेल से 30 अप्रेल 2013 के मध्य विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ **वार्षिक मेला** सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर झण्डारोहण का **श्री नानूलाल जी भानगड़िया**, जयपुर; कलशाभिषेक के पश्चात् माल बोली का **श्री वेदप्रकाश जी नरेला**, दिल्ली, जलयात्रा जुलूस में प्रथम कलश बोली का श्री नाथूलाल जी सामरिया इन्दौर; जिनेन्द्रदेव रथयात्रा के दिन श्रीजी के चरणों की माल बोली का श्री नानगराम जी सुभाषचन्द जी जैन जौहरी, जयपुर सदस्य प्र.का. कमेटी को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

तत्कालीन कलक्टर व स्वास्थ्य राज्य मंत्री घाट की पूजा करते हुए अध्यक्ष व सदस्यगण।

सांस्कृतिक प्रस्तुति वार्षिक मेला 2011

सांस्कृतिक प्रस्तुति वार्षिक मेला 2013

श्री नानूलाल जी भानगडिया, झण्डारोहण करते हुए व अध्यक्ष द्वारा श्री वेदप्रकाश जी नरेला को भगवान महावीर का चित्र देते हुए।

श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज के
मुनि दीक्षा स्वर्ण-जयन्ती के उपलक्ष्य में
प.पू. एलाचार्य श्री श्रुतसागर जी, प.पू. एलाचार्य श्री वसुनंदीजी
प.पू. एलाचार्य श्री प्रज्ञसागर जी के नेतृत्व में
ज्ञानवर्द्धनोत्सव-वर्ष
(25 जुलाई, 2012 से 25 जुलाई, 2013)
के अवसर पर प्रकाशित पुस्तिका
आमजन को सादर समर्पित
अपभ्रंश के शिक्षाप्रद सूत्र

परम पूज्य श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्दजी मुनिराज

ज्ञानवर्द्धनोत्सव वर्ष पर प्रकाशित पुस्तिकाएं

प्रत्येक तीसरे वर्ष आयोजित मानस्तम्भ कलशाभिषेक में प्रथम कलश बोली का श्री नाथूलाल जी सामरिया, इन्दौर को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

निर्वाण महोत्सव -

1. वर्ष 2011 में झण्डारोहण का श्री पवनकुमार जी पाटनी, बैंगलोर; मध्यान्ह माल की बोली श्रीमती सुषमा जी जैन, दिल्ली को सौभाग्य प्राप्त हुआ।
2. वर्ष 2012 में झण्डारोहण का सौभाग्य श्री इन्द्रकुमार जी जैन लखनऊ; मध्यान्ह काल की बोली श्री राकेश कुमार जी जैन, मुरादाबाद को प्राप्त हुआ।
3. वर्ष 2013 में झण्डारोहण का श्री दानमल जी अजितकुमार जी पाण्ड्या कोलकाता; मध्यान्ह काल की बोली का श्री विजयकुमार जी कासलीवाल, कोलकाता को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

जैन विद्या संस्थान/अपभ्रंश साहित्य अकादमी के प्रचारात्मक प्रकाशन -

श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज की मुनि दीक्षा - स्वर्ण जयन्ती के उपलक्ष्य में।

ज्ञानवर्द्धनोत्सव वर्ष में निम्न लघु पुस्तिकाओं का प्रकाशन -

1. महावीर वाणी के 50 मोती पुस्तिका (19 सितम्बर, 2012)
2. अपभ्रंश भाषा की लोकोपयोगी मणिया पुस्तिका (25 सितम्बर, 2012)
3. शौरसैनी प्राकृत भाषा के गाथारत्न पुस्तिका (2 अक्टूबर, 2012)
4. अपभ्रंश-रत्न-मंजूषा पुस्तिका, गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में (24 अक्टूबर, 2012)
5. जैन धर्म-दीप-पुंज पुस्तिका (13 नवम्बर, 2012)

जैन विद्या संस्थान/अपभ्रंश साहित्य अकादमी के अन्य प्रकाशन -

1. आमेर के दिगम्बर जैन मंदिर, नेमिनाथ सांवलाजी के यंत्रलेख।
2. आमेर के दिगम्बर जैन मन्दिर नेमिनाथ (सांवला जी) की प्रतिमाएं।
3. जैनविद्या पत्रिका का ''शिवार्य विशेषांक''
4. अपभ्रंश-हिन्दी-व्याकरण
5. प्राकृत-हिन्दी-व्याकरण भाग-1
6. प्राकृत-हिन्दी-व्याकरण भाग-2
7. महावीर पुजांजलि
8. स्वयंभू का पउमचरिउ
9. जैन धर्म के आचार शास्त्रीय सिद्धान्त भाग-3
10. प्राकृत व्याकरण (अंग्रेजी अनुवाद)

11. महावीर वन्दना (प्राप्ति सागर जी महाराज से विमोचन दिनांक 26 अप्रेल, 2013)
12. मुनि नेमीचन्द सिद्धान्तिदेव 10वीं शताब्दी रचित 'द्रव्य संग्रह'
13. आचार्य कुन्दकुन्द रचित प्रवचनसार प्रथम शताब्दी का : ज्ञान अधिकार खण्ड-1

विदेशी विद्वानों का अध्ययननार्थ आगमन -

1. Ghent University Belgium के विद्यार्थियों को प्राकृत-अपभ्रंश, जैन संस्कृति के अध्ययन के लिए University के साथ अनुबन्ध का प्रयास।
2. **Giles Hooper & Bina shah** (13 February to 10 March 2013) & (4 February to 17 February, 2012), University of Sydney, Australia.
3. Tim & Kate Netherland (1 May to 27 June, 2013)
4. Tim & Kate Netherland (4 January 2014)
5. बेल्जियम यूरोप के विद्यार्थी श्री सेन्डर हैन्स ने 24 सितम्बर से 7 दिसम्बर 2013 तक अपभ्रंश साहित्य अकादमी में प्राकृत-अपभ्रंश व पाण्डुलिपि पठन तथा पाण्डुलिपि संपादन विधि व जैन साहित्य इतिहास का अध्ययन किया।
6. स्लोवेनिया यूरोप की छात्रा डॉ. आना अपभ्रंश साहित्य एकेडमी में प्राकृत का अध्ययन तथा प्राकृत-अपभ्रंश पाण्डुलिपि पठन का शिक्षण प्राप्त कर रही है।
7. अपभ्रंश साहित्य एकेडमी में विदेशी स्कालर्स (Yale University, USA Ghent University, Belgium & others) द्वारा जैन आगम साहित्य, प्राकृत व अपभ्रंश का ज्ञानार्जन एवं रिसर्च कार्य।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा को सहयोग -

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा द्वारा प्राकृत एवं अपभ्रंश डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रकाशन में अन्य विद्वानों के साथ अकादमी के विद्वानों का परिश्रम व योगदान सराहनीय रहा है। अब अकादमी प्राकृत व अपभ्रंश के एम.ए. पाठ्यक्रम के लिए प्रयासरत है।

संतों द्वारा अवलोकन -

1. राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज द्वारा जैन विद्या संस्थान, अपभ्रंश साहित्य अकादमी एवं श्री महावीर दिगम्बर जैन पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र का अवलोकन किया गया।
2. उपाध्याय **श्री ज्ञानसागर जी महाराज** द्वारा जैन विद्या संस्थान एवं अपभ्रंश साहित्य अकादमी का अवलोकन।

कार्यवाहक मुख्य न्यायिपति राजस्थान माननीय श्री नरेन्द्रकुमार जैन ट्रस्टियों की परिचय पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

अखिल भारतीय प्राकृत-अपभ्रंश अध्यापकों का सम्मेलन समारोह।

उपाध्याय श्री प्रज्ञसागर जी महाराज, ज्ञानवर्द्धन पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

उपाध्याय श्री ज्ञानसागर जी महाराज अपभ्रंश साहित्य अकादमी का अवलोकन करते हुए।

गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के सानिध्य में श्री रेन्द्रमोहन जी कासलीवाल, पूर्व सुप्रीमकोर्ट न्यायाधीश सदस्यों के साथ विमोचन करते हुए।

अपभ्रंश साहित्य अकादमी व पुस्तकालय की जमीन।

नसियां भट्टारकजी के विकास कार्यों में आर्थिक सहयोग के लिए धर्मश्रेष्ठी दातारों को श्रद्धेय स्व श्री तेजकरण जी डंडिया की अध्यक्षता में सम्मानित करते हुए सदस्यगण

आधुनिकीकरण अंक का विमोचन करते हुए उपाध्याय श्री ऊर्जवन्तसागर जी महाराज।

3. बालाचार्य श्री सिद्धसेन जी महाराज द्वारा जैन विद्या संस्थान एवं अपभ्रंश साहित्य अकादमी का अवलोकन।

अन्य कार्य -

1. दिगम्बर जैन अतिश क्षेत्र श्री महावीरजी द्वार संचालित जैन विद्या संस्थान/अपभ्रंश साहित्य अकादमी में फ्रेकिंग सिस्टम क्रय किया गया।
2. अपभ्रंश साहित्य अकादमी (जैन विद्या संस्थान) पर वेबसाइट http: //apa.jainapa.com से दिनांक 10-3-2011 से शुरु।
3. पाण्डुलिपि दिवस पर पाण्डुलिपियों की जयपुर में प्रदर्शनी।
4. प्राकृत-अपभ्रंश अध्यापकों का सम्मेलन। (1-2 नवम्बर, 2011)
5. जैन विद्या संस्थान में विद्वानों के बैठने व पुस्तकालय के लिए उपयुक्त व्यवस्था। श्री पायोनिधि कासलीवाल का सहयोग।

जमीन की रजिस्ट्री (अपभ्रंश साहित्य अकादमी एवं पुस्तकालय) -

श्री महावीरजी क्षेत्र द्वारा संचालित जैन विद्या संस्थान-'अपभ्रंश साहित्य अकादमी' व पुस्तकालय के लिए 2009 में मालवीय नगर संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर में आवंटित जमीन को राज्य सरकार से रियायती दर पर सितम्बर, 2012 में स्वीकृति प्राप्त की। भूखण्डों का कब्जा 23 अक्टूबर, 2012 को एवं रजिस्ट्री 4 जनवरी, 2013 को कराई गई। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 12 नवम्बर, 2013 को भवन मानचित्र का अनुमोदन की कार्यवाही।

वार्षिक प्रतिवेदन -

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी की प्रबन्धकारिणी कमेटी द्वारा क्षेत्र का द्विवार्षिक प्रतिवेदन (2009-10 एवं 2010-11) का प्रकाशन।

त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन -

- श्री महावीरजी क्षेत्र के कार्यकलापों की प्रकाशित पहली त्रैमासिक पत्रिका वर्ष-1 (संयुक्तांक 1-4), ''परिचय अंक'' का विमोचन 23 सितम्बर, 2012 को।
- त्रैमासिक पत्रिका वर्ष-2 (संयुक्तांक 1-2) ''आधुनिकीकरण अंक'' का उपाध्याय श्री ऊर्जयन्तसागर जी महाराज द्वारा विमोचन।
- त्रैमासिक पत्रिका वर्ष-2, अंक 3 ''कार्य निष्पादन अंक'' का विमोचन 27 दिसम्बर, 2012 को।
- त्रैमासिक पत्रिका वर्ष-2, अंक 4 (दिसम्बर 2012 से 28 फरवरी, 2013) ''वैश्वीकरण अंक'' का गणिनी आर्यिका 105 श्री सुप्रकाशमती माताजी द्वारा विमोचन।

- त्रैमासिक पत्रिका वर्ष-3, अंक 1 ''चौबीस तीर्थंकर अंक'' का प्रकाशन (मार्च 2013 से मई 2013)।
- त्रैमासिक पत्रिका वर्ष-3, अंक 1-2, ''नवप्रगति अंक'' का प्रकाशन (जून 2013 से नवम्बर 2013)।

श्री महावीरजी क्षेत्र की प्रबन्धकारिणी कमेटी के सदस्य ट्रस्टियों की परिचय पुस्तिका -

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी की प्रबन्धकारिणी कमेटी के 1930 से अब तक के सभी 100 ट्रस्टियों की परिचय पुस्तिका का 27 दिसम्बर, 2012 को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति माननीय श्री नरेन्द्रकुमार जी जैन, राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा विमोचन।

यात्रियों की सुविधार्थ -

नया सोलर वाटर सिस्टम

- श्री महावीरजी क्षेत्र पर माह अक्टूबर, 2011 में प्रक्षाल करने वाले श्रद्धालुओं हेतु कटला परिसर में सोलर वाटर सिस्टम स्थापित।

इन्फ्रारेड सी.सी. टी.वी. कैमरे -

- माह नवम्बर, 2011 में सुरक्षा की दृष्टि से श्री महावीरजी के निज मंदिर जी, ध्यान केन्द्र व कटला परिसर में इन्फ्रारेड सी.सी.टी.वी. कैमरे स्थापित।

कमरों की बुकिंग ऑनलाइन -

- श्री महावीरजी में यात्रियों की सुविधार्थ व पारदर्शिता की दृष्टि से दिनांक 19 दिसम्बर, 2011 को क्षेत्र पर विभिन्न धर्मशालाओं के आवास के लिए ''ऑन लाइन आवास आरक्षण व्यवस्था'' वेबसाइट www. mahaveerji.org का तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा लोकार्पण।

नया कम्प्यूटरीकृत कार्यालय व विस्तार -

- क्षेत्र में उपलब्ध ऑनलाईन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए टेक्नोलॉजी के नये 8 कम्प्यूटर बदले गये।
- अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी की सभी धर्मशालाओं के आरक्षण की स्थिति जानकारी/पारदर्शिता की दृष्टि से डिसप्ले के लिए एल.ई.डी. लगाने की कार्यवाही प्रगति पर है।

चपाती मैकिंग वार्मर मशीन -

- माह सितम्बर 2012 में क्षेत्र द्वारा संचालित अन्नपूर्णा भोजनालय, श्री महावीरजी में सेमी आटोमैटिक चपाती मैकिंग, डग नीडिंग मशीन एवं वार्मर मशीन स्थापित।

नारायण सेवा संस्थान के ट्रस्टी व अन्य संस्थानों के ट्रस्टीगण तत्कालीन कलक्टर साहब द्वारा निःशुल्क पोलियो जाँच एवं उपकरण वितरण शिविर

सोलर स्टीम कुकिंग सिस्टम, डी.जी. सैट चपाती मैकिंग वार्मर मशीन आदि की शुरुआत।

तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा महावीरजी में ऑनलाईन बुकिंग व वेबसाईट का लोकार्पण करते हुए।

आचार्य श्री देवेन्द्रसागर जी महाराज व आर्यिका श्री गौरवमति माताजी अपभ्रंश भाषा की लोकोपयोगी मणियां पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

श्री महावीरजी में लिफ्ट का माननीय श्री अशोक जी जैन, मुख्य चुनाव आयुक्त, राजस्थान जयपुर द्वारा लोकार्पण करते हुए।

स्व. श्री अतरसेन जी व स्व. श्रीमती शकुन्तलादेवी की स्मृति में परिवार जन द्वारा श्री महावीरजी में नई बस भेंट की गई।

श्री महावीरजी में निर्माणाधीन 48 कमरों की धर्मशाला का कार्य चल रहा है।

भगवान महावीर एवं मंदिर चित्रित 10 ग्राम चांदी के सिक्के का श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज द्वारा विमोचन एवं प्रसारण।

लिफ्ट सुविधा का प्रारम्भ -

- दिनांक 5 अक्टूबर, 2012 को वृद्धजन व शारीरिक रूप से अक्षम यात्रियों की सुविधार्थ श्री महावीरजी में श्रीमती पुष्पलता धर्मपत्नी स्व. श्री खूबचन्द जी, श्री वीरेन्द्र छाबड़ा के सहयोग से लिफ्ट का माननीय श्री अशोक जी जैन, मुख्य चुनाव आयुक्त, राजस्थान जयपुर द्वारा लोकार्पण। व्हीलचेर व लगेज ट्रॉली की सुविधा।

यात्रियों की सुविधार्थ दो अतिरिक्त नई बसें -

- रेल्वे स्टेशन से मंदिर तक यात्रियों के लिए नि:शुल्क लाने व ले जाने हेतु दो नई बस क्रय की गई।

सोलर स्टीम कुकिंग सिस्टम -

- माह फरवरी, 2013 में क्षेत्र द्वारा संचालित अन्नपूर्णा भोजनालय, श्री महावीरजी में सोलर स्टीम कुकिंग सिस्टम स्थापित।

विशाल निर्माण कार्य -

- श्री महावीरजी में क्षेत्र द्वारा करीब 2100 फीट की सीवर लाईन डाली गई।
- श्री महावीरजी स्थित यात्री निवास के 4 ब्लॉकों के 48 हॉल के बी ब्लॉक में 8 एवं सी ब्लॉक में 12 डॉरमेट्री का नवीनीकरण।

विद्युतिकरण -

- मंदिर परिसर में मंदिर फीडर व सिटी फीडर को चिन्हित स्थानों पर शिफ्ट करवाया।
- दिनांक 5 अप्रेल, 2012 को सुचारू विद्युत व्यवस्था हेतु डी.जी. सैट (200 व 320 केवीए) स्थापित।

नई सड़क निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण -

- राज्य सरकार द्वारा नादोती से श्री महावीरजी, श्री महावीरजी से हिण्डौन तक सड़क सुदृढ़ीकरण एवं खेडा से हिण्डौन तक सडक विकास कार्य की स्वीकृति एवं कार्य प्रगति पर।

चांदी के सिक्के का विमोचन व प्रसारण -

- माह जनवरी, 2012 में भगवान महावीर एवं मंदिर चित्रित 10 ग्राम चांदी के सिक्के का श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज द्वारा विमोचन एवं प्रसारण।

श्री महावीरजी क्षेत्र पर निज मंदिरजी में स्वर्ण, रजत अलंकरण तथा अन्य उपकरण व सामान उदारमना दातारों द्वारा भेंट-

1. दिनांक 27 मार्च, 2011 को श्री महावीरजी के मुख्य मंदिरजी के तीनों शिखरों व बीच की वेदी पर लगे एक कलश पर स्वर्ण कार्य व दिनांक 15 फरवरी, 2012 को 7 कलशों का स्वर्ण कार्य एवं दिनांक 11

जुलाई, 2012 को 17 कलशों पर स्वर्ण कार्य धर्मश्रेष्ठी परिवार स्व. अतर सैन जी व स्व. श्रीमती शकुन्तला देवी जी जैन की स्मृति में परिवारजन द्वारा सभी कार्य करवायें गये।

2. मंदिरजी की मुख्य वेदी पर सोने का गुलम्बर बनवाकर लगवाया।
3. निज मंदिर की तीनों प्रतिमाओं के आगे चिन्ह, भगवान महावीर स्वामी की मुख्य वेदी की प्रतिमा के आगे छत्र आदि।
4. क्षेत्रपाल जी की दोनों वेदियों पर मुकुट, कवच कोट, त्रिशूल, छड़ी, कणकती एवं छत्र सर्वश्री राजेन्द्र कुमार जी, अजयकुमार जी, सुनील कुमार जी व विकास जी जैन, दिल्ली पारस चैनल वालों के सहयोग से।
5. गन्दोदक दान सर्वश्री सुरेशचन्द जी, आशीषकुमार जी, गाजियाबाद वालों द्वारा।
6. गुम्बज में छत्र श्री सुरेन्द्रकुमार जी, श्री नरेशचन्द जी, दिल्ली वालों के सहयोग।
7. क्षेत्रपाल जी की छोटी वेदी में चांदी के कवच, मुकुट, छोटा त्रिशूल, छत्र, श्री पंकज जी जैन, अम्बाला छावनी व भगवान महावीरजी की वेदी के ऊपर गुम्बज में तीन नग का चांदी का एक छत्र श्री विनोद जी गुड़गांव द्वारा संस्थापित।
8. पाण्डुकशिला का एक नग 1713 ग्राम चांदी वजनी श्रीमती सुशीला देवी बाबूलाल जी जैन, सूरत गुजरात की तरफ से दिनांक 15 अगस्त, 2013 को।
9. श्री महावीर योग प्राकृतिक चिकित्सा एवं शोध संस्थान के लिए श्री शान्तिलाल जी जैन, एस.एम. ट्रेडिंग कम्पनी, डीमापुर द्वारा एक फ्रिज (310 लीटर) एवं श्रीमती लता हेमन्त सूरजमल जी सेठ, बोरीबली, वेस्ट मुम्बई-92, एल.सी.डी. टी.वी. 32 इंच भेट स्वरूप दिया गया।
10. ''ध्यानकेन्द्र'' के लिए श्री राजेन्द्रकुमार जैन जगराना जिला लुधियाना द्वारा एक ए.सी. वोलटास 1.5 टन।
11. विभिन्न धर्मशालाओं के लिए 4 वाटर कूलर (वोलटास मैक)150 लीटर क्रमशः श्री अमनकुमार जी जैन, मुजफ्फर नगर, श्री अलंकर गिला वर्क्स, फिरोजाबाद, श्रीमती उमा जैन धर्मपत्नी श्री प्रमोदकुमार जी जैन एवं श्री सुशीलकुमार जी जैन, मैसर्स सुशील टेक्सटाइल दिल्ली।
12. विभिन्न धर्मशालाओं के लिए 3 वाटर कूलर क्रमशः श्री निर्मल जी जैन सुधा जी जैन कोटा (राजस्थान) दिनांक 14 जून, 2013 को स्व. लाला ओमप्रकाश जी जैन धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला देवी जैन, दिल्ली की तरफ से दिनांक 20 मई, 2013, एवं श्री दीपक जी जैन, प्रीतमपुरा दिल्ली की तरफ से दिनांक 25 जून, 2013 को भेंट स्वरूप प्रदान किये।

स्वर्ण, रजत अलंकरण एवं अन्य उपकरणों की पूजा करते हुए श्रेष्ठी स्व. श्री अतरसेन जी व स्व. श्रीमती शुकन्तलादेवी के परिवार जन

मुख्य मन्दिर जी के तीनों शिखरों का जीर्णोद्धार

श्री सुभाषजी व परिवारजन को महावीर भगवान का चित्र भेंट करते हुए अध्यक्ष व मानद मंत्री।

महावीर पुरस्कार प्राप्त डा. वीरसागर जैन को सम्मानित करते हुए माननीय न्यायाधिपति श्री मनीष भण्डारी, श्रीमती लाडकुमारी जैन, अध्यक्षा महिला आयोग राजस्थान

एस.पी. करौली दातारों के साथ ट्राई साईकिल का वितरण करते हुए

Picture Card, 'My Stamp' & Permanent Pictorial Cancellation On Shri Mahaveerji Jain Temple issued by Department of Post, Govt. of India on the occasion of 13th State Level Stamp Exhibition "Rajeex 2012" held at Jawahar Kala Kendra, Jaipur

वृक्षारोपण के समय समर कैम्प में विदेशी विद्यार्थी।

13. श्री रतनलाल वैदप्रकाश जी जैन नरेला हरियाणा द्वारा चांदी का छत्र 840 ग्राम एवं 3432 ग्राम चांदी का दीपक मय स्टैण्ड भेंट किया।
14. श्री पुष्पराग जैन गाजियाबाद के सहयोग से मुख्य मंदिर जी में दो किवाड़ जोड़ी पर चांदी का पत्तर चढ़ाने का कार्य कराया गया।
15. श्री मुन्नालाल प्रदीपकुमार जी जैन दिल्ली द्वारा महावीर भगवान की मुख्य वेदी के शिखरों पर लकड़ी के फ्रेम में चांदी का पत्तर कार्य कराया गया।
16. श्री नरेशकुमार जी जैन, दिल्ली द्वारा 140 नग दीवार घड़ी व श्रीमती माया देवी सिंघानिया, कानपुर द्वारा 100 नग घड़ी भेंटस्वरूप प्रदान की गई।
17. श्री नाथूलाल जी सामरिया, इन्दौर द्वारा प्रक्षाल करने हेतु 430 नग धोती-दुपट्टे भेंट स्वरूप प्रदान किये गये।
18. कटला स्थित चार कमरे, पुराने कमेटी कक्ष परिसर व चरण छत्री धर्मशाला में 55 छोटे कमरे, शौचालय व स्नानगृह का जीर्णोद्धार करवाया।
19. दातार के सहयोग से कम्बलों का वितरण किया गया।

क्षेत्र के अधीनस्थ मंदिरों में निर्माण/मरम्मत/जीर्णोद्धार -

1. दिगम्बर जैन मंदिर पीलोदा में गुम्बद का कार्य।
2. दिगम्बर जैन मन्दिर जमवारामगढ़ में पुजारी/व्यवस्थापक के आवास का निर्माण व अन्य निर्माण/मरम्मत कार्य।

डाक टिकट -

- भारतीय डाक विभाग, भारत सरकार द्वारा दिनांक 5 जनवरी, 2012 को श्री महावीरजी मंदिर पर पिक्चर मय स्टाम्प व चित्रात्मक मोहर का प्रसारण।

जैन सोशल ग्रुप द्वारा कार्य -

- दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमण्ड द्वारा श्री महावीर जी की धर्मशालाओं में सफाई व वृक्षारोपण अभियान, वृक्ष बचाने व क्षेत्र को प्रदूषण रहित रखने का संदेश भी दिया।

विदेशी स्कालर्स द्वारा पर्यावरण चेतना -

- विदेशी स्कॉलर्स द्वारा समर कैम्प के दौरान नसियां भट्टारकजी परिसर में वृक्षारोपण अभियान।

श्री महावीरजी की प्रबन्धकारिणी कमेटी में नये सदस्यों का अभ्यर्थन :

1. प्रबन्धकारिणी कमेटी में 5 नये सदस्य क्रमशः सर्व श्री सुधांशु कासलीवाल, सुभाषचन्द्र जैन, (14.10.2012) सतीश अजमेरा,

सुधीर कासलीवाल, चन्द्रप्रकाश जैन पहाड़िया का दिनांक (18.11.2012) को अभ्यर्थन किया गया।

2. श्री आर.के. जैन, पूर्व अध्यक्ष-भारतवर्षीय जैन तीर्थ कमेटी की जगह नए अध्यक्ष श्री सुधीर जी जैन प्रबन्धकारिणी कमेटी श्री महावीरजी बहेसियत पदेन सदस्य मनोनीत हुए हैं।

आचार्य, मुनि, आर्यिकाऐं आदि का क्षेत्र पर मंगल आगमन -

श्री महावीरजी क्षेत्र पर वर्ष 2011 में 24, वर्ष 2012 में 150 व वर्ष 2013 में 60 आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिकाओं आदि का मंगल आगमन हुआ।

अन्य कार्य -

1. ट्रेन में बैठे-बैठे ही भगवान महावीर के दर्शनार्थ, रेल्वे स्टेशन पर लगा भगवान महावीर का मनोहारी चित्र सुदृश्य करवाया गया।
2. श्री महावीरजी में स्थित जैन कला एवं संस्कृति संग्रहालय भवन व कटले के दक्षिण में खम्भों का मरम्मत कार्य प्रगति पर है। फरवरी, 2011 से दिसम्बर, 2013 तक 8636 दर्शकों ने म्यूजियम का अवलोकन किया।
3. श्री महावीरजी में वातानुकूलित धर्मशाला में प्रथम व दूसरी मंजिल के बाद कार्य प्रगति पर है।
4. आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ द्वारा भेंटस्वरूप प्रदत्त राशि के सहयोग से कटला परिसर स्थित त्यागी भवन का मरम्मत का कार्य एवं लोहे का जाल लगाया गया।
5. श्री महावीरजी में वरिष्ठ नागरिक बंधुओं के लिए 'महावीर आयुष्मान केन्द्र' की स्थापना करने का निर्णय लिया गया।

दिगम्बर जैन मंदिर श्री नेमीनाथ जी (सांवला जी) आमेर ट्रस्ट के अधीन मंदिरों/नसियां की गतिविधियां :

दिगम्बर जैन नसियां भट्टारक जी, जयपुर में -

1. मैट्रो मास हार्ट केयर एण्ड मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सौजन्य से नि:शुल्क हृदय हड्डी एवं जोड प्रत्यारोपण रोग, श्वास व अस्थमा रोग, शिशु रोग-ब्लड प्रेसर, ब्लड शुगर एवं ई.सी.जी. जांच शिविर, जयपुर (दिनांक 13 जनवरी, 2013)।
2. मैट्रो मास हार्ट केयर एण्ड मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल जयपुर के सौजन्य से नि:शुल्क दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी, जयपुर में द्वारा हृदय गुर्दा रोग एवं डायलिसिस, स्त्री रोग, दंत रोग, ब्लड प्रेसर, ब्लड शुगर एवं ई.सी.जी. जांच हेतु विशाल नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर (दिनांक 9 दिसम्बर, 2012)।

बालमुनि श्री सौरभसागर जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए अध्यक्ष व मंत्री श्री महावीरजी

श्री महावीरजी रेल्वे स्टेशन पर भगवान महावीर का मनोहारी चित्र

दिगम्बर जैन नसियां भट्टारक जी में स्थित तीनों भट्टारकों की छतरियों का जीर्णोद्धार।

गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज व केन्द्रीय मंत्री माननीय श्री प्रदीप जैन 'आदित्य' आमेर की पुस्तक का विमोचन करते हुए

नसियां भट्टारकजी में जैन भवन पर डोम का निर्माण।

ललिता देवी रामचन्द कासलीवाल अतिथिगृह

डॉ. डी. वीरेन्द्र हेगड़ का अभिवादन करते हुए अध्यक्ष न्यायमूर्ति एन.के. जैन, राजकुमार जी काला एन.के. सेठी

मुनि श्री तरुणसागर जी महाराज का नसियां भट्टारकजी से मंगल विहार

3. दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी, जयपुर के परिसर में श्री महावीरजी के मंदिर का चित्र।
4. नसियां भट्टारकजी, जयपुर के मंदिर में प्रवेश द्वार पर श्रद्धालुओं के दर्शनाथ श्री महावीरजी के मंदिर का चित्र।
5. नसियां भट्टारकजी, जयपुर के निज मंदिर के मुख्य द्वार पर पीतल की किवाड़ जोड़ी श्री रतनलाल जी काला, मूलवेदी के सामने वाली किवाड़ जोड़ी श्री श्रेयांसकुमार जी गोधा, मंदिर जी की अन्य चार किवाड़ जोड़ी श्री सुधीरकुमार जी कासलीवाल के सहयोग से लगाई गई।
6. नसियां भट्टारकजी, जयपुर में मूलवेदी के चारों खम्भों पर 16 कलशों कराये गये स्वर्ण व अन्य कार्य का सहयोग श्री गिर्राजकुमार जी पंसारी द्वारा प्रदान किया गया।
7. नसियां भट्टारकजी, जयपुर में जैन भवन के चौक पर डोम लगाने का कार्य श्रीमती उषा जी पापड़ीवाल के सहयोग से करवाया गया।
8. नसियां भट्टारकजी, जयपुर परिसर में पूर्व 3 भट्टारकों की छतरियों का जीर्णोद्धार करवाया गया।
9. राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महाराज के सान्निध्य एव शतायु पुरुष श्रद्धेय स्व. श्री तेजकरण जी डंडिया तथा सदस्यों की उपस्थिति में दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी के विकास कार्यों में आर्थिक सहयोग के लिए धर्मश्रेष्ठी दातारों को सम्मानित किया गया।
10. दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी परिसर, जयपुर में 'ललिता देवी रामचन्द्र कासलीवाल अतिथि गृह' तथा भोजनशाला का लोकार्पण श्रद्धेय डॉ. डी. वीरेन्द्र हेगड़े, धर्मस्थला कर्नाटक के कर कमलों द्वारा दिनांक 26 अक्टूबर, 2013 को अभूतपूर्वरूप से सम्पन्न हुआ।
11. दिगम्बर जैन मंदिर श्री नेमीनाथ जी (सांवलाजी) आमेर में आचार्य विरागसागर जी महाराज ससंघ आगमन।
12. दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभु जी, आमेर के सम्पूर्ण जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट के आधार पर मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर है।
13. आमेर के दिगम्बर जैन मन्दिर श्री नेमिनाथ जी (सांवालाजी), आमेर की प्रतिमाओं की पुस्तक का विमोचन ,एवं आमेर के दिगम्बर जैन मन्दिर श्री नेमिनाथ जी (सांवला जी), के यंत्रलेख की पुस्तक का प्रकाशन व विमोचन।
14. दिगम्बर जैन मंदिर सांवला जी में सीसीटीवी कैमरे व बरामदे में संगमरमर के फर्श का निर्माण।

नसियां भट्टारकजी में चातुर्मास -

1. मुनि श्री 108 पुलकसागर जी महाराज का दिनांक 15.7.2011 को मंगल प्रवेश व 28.10.2011 का मंगल विहार।
2. आचार्य श्री 108 विरागसगार जी महाराज का ससंघ का दिनांक 7.7.2012 को मंगल आगमन व 1.12.2012 को मंगल विहार।
3. आचार्य श्री 108 तरूणसागर जी महाराज का दिनांक 15.7.2013 को मंगल आगमन व 5.11.2013 को मंगल विहार।
4. बालाचार्य श्री 108 सिद्धसेन जी महाराज का दिनांक 12.12.2013 को मंगल आगमन व 16.12.2013 को मंगल विहार।

श्री नेमिनाथजी (सांवलाजी) आमेर में भंवरे में स्थित जिन प्रतिमाओं को दर्शनार्थ गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज ससंघ व श्रद्धालुगण।

विशिष्टजन का आगमन -

- माननीय केन्द्रीय मंत्री, राजस्थान के मंत्री एवं अन्य प्रांतों के मंत्री, सांसद, विधायक, उच्च न्यायालय के न्यायधीश, सरकारी अधिकारी गण, जजेज, जनप्रतिनिधि एवं श्रेष्ठीगणों का श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र पर आगमन हुआ।
- श्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान एवं श्रीमती वसुन्धरा राजे, मुख्यमंत्री राजस्थान ने भगवान महावीर के दर्शन व आरती कर देश व राज्य में अमन, चैन व खुशहाली की कामना की।

श्री महावीरजी में दर्शन करते हुए
श्रीमती वसुन्धरा राजे सिन्धिया मुख्यमंत्री, राजस्थान

मुनि श्री को नमन करते हुए

अतिथिगृह का उद्घाटन करते हुए
श्रद्धेय डॉ. डी. वीरेन्द्र हेगड़े

भूमि पूजन समारोह में सुधांशु कासलीवाल परिवारजन एवं कमेटी के सदस्य गण के साथ पूजन करते हुए।

अतिथि गृह के लोकार्पण समारोह के अवसर पर उपस्थित अतिथिगण

जैन दर्शन के अनुसार मोक्ष की प्राप्ति के लिए 'ध्यान' सर्वोपरि है।

Comments & Messages - by e-mail received in all about 1110. : appreciating Management about online booking facilities. One of the best Jain Pilgrim Center some of them...

Ellen Gough :
Apabramsa Sahitya Academy to learn Prakrit or Aparbramsa at Jaipur or to obtain manuscripts. It has been a great resource for foreign students and scholars.

TilloDetige, USA :
With sincere thanks for the welcome and superb facilities at the Bhattarakiya Nasiya!

Dr. Guatam Jain, Zambia :
This place is developing like any thing due to online facility.

Dr. Komal-Rishi Jain, America :
Mahaveerji journey has become very peaceful after online system.

Muskan Jain, Meeut :
It's a great pleasure for Jain community that this website has been started it is such a website for jains.

Dr. Vijay Kumar Mediratta, Ghaziabad :
For peace & prayer clubbed with facilities provided by the management is commendable... Thanks for the meticulous planning by the management.

Priyanka Jain, Baraut :
Shri Mahaveer Ji is a place of peace & Devotion. It is great to organize the online booking system.

Narendra Kumar Jain, Mauritius :
This online service made my trip very easier . Lift facility is giving benefits for elderly and handicapped people.

Visit : Online Booking : www.mahaveerji.org, www.shrimahaveerji.com, Apbhransh Sahitya : http://apa.jainapa.com

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

Tushar Sogani Designs Pvt. Ltd.
An Architectural Studio
F-72, 104 & 105, "Suryoday", Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur Tel: +91-141-400 4560 / 400 4537
E-mail: studio@tsdplarch.com, web : www.tsdplarch.com

Pushpa Vaidya, Mahesh Vaidya, Piyush (Pete.) Vaidya
M & P Gem Imports, INC
5550, L.B.J. Freeway, Suite No. 515, Dallas Tx . 75240, Fax 972-9804717

Amod Luhadia, Managing Trustee
Bansi Lal Luhadia Charitable Trust (Regd.)
401, City Pulse, Narayan Singh Circle, Tonk Road, Jaipur 302015 (Raj.)
Tel.: 0141-5115420 (O), 2578999 (R) Mobile : 9829067507

mzentechnologix
(I.T. Web, Cloud, analytics)
e-mail : mzentech@gmail.com (M) +91-8800686048

Covet Biotech Pvt. Ltd.
Mumbai (INDIA)